Original Article
ISSN (Online): 2350-0530
ISSN (Print): 2394-3629

International Journal of Research - GRANTHAALAYAH
May 2025 13(5), 247–250

OPINION OF STUDENTS REGARDING THE RELEVANCE OF THE VALUES DESCRIBED IN RAMCHARITMANAS IN NATIONAL EDUCATION POLICY 2020

रामचरितमानस में वर्णित मूल्यों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रासंगिकता के प्रति छात्र और छात्राओं का अभिमत

Omvati Chaudhary [1]
Dr. Rainu Gupta [2]

[1]Research Scholar, Sanskriti University, Mathura, India
[2] Research Supervisor, Dean, Sanskriti University, Mathura, India

Received 29 April 2025
Accepted 17 May 2025
Published 17 June 2025

DOI
10.29121/granthaalayah.v13.i5.2025.6219

Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.

Copyright: © 2025 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

OPEN ACCESS

ABSTRACT

English: This research paper was to study the opinion of students towards the moral values described in Ramcharitmanas and their relevance in National Education Policy 2020 (NEP 2020). Survey method has been used in the present study.

150 male and 150 female students have been selected for the sample. A self-made instrument has been used to collect the data and the collected data has been analyzed by percentage. It is clear from the findings that most students find the values described in Ramacharitmanas extremely essential in modern education and their inclusion in NEP 2020 is relevant.

Hindi: यह शोध पत्र रामचरितमानस में वर्णित नैतिक मूल्यों और उनके राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) में प्रासंगिकता के प्रति छात्र और छात्राओं का अभिमत का अध्ययन करना था। प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श के लिए 150 छात्र एवं 150 छात्राओं का चयन किया गया है। प्रदत्तों का संकलन करने हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है और संकलित प्रदत्तों का विश्लेषण प्रतिशत के द्वारा किया गया है। निष्कर्ष से यह स्पष्ट होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों को रामचरितमानस में वर्णित मूल्य आधुनिक शिक्षा में अत्यंत आवश्यक प्रतीत होते हैं और NEP 2020 में उनका समावेश प्रासंगिक है।

Keywords: Opinion, Students, Values, Ramacharitmanas, National Education Policy 2020, राय, छात्र, मूल्य, रामचरितमानस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

1. प्रस्तावना

1.1. भूमिका

भारतीय संस्कृति में रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि नैतिक जीवन, कर्तव्य, मर्यादा और नेतृत्व के गुणों का अनमोल भंडार है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित यह ग्रंथ आदर्श जीवन के सूत्रों को समाज को प्रदान करता है।

वहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा को केवल ज्ञान प्रदान करने वाला माध्यम न मानकर, उसे एक मूल्य आधारित, सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने वाला प्रयास मानती है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को पुनः शिक्षा के केंद्र में लाने का प्रयास करती है।

2. शोध की आवश्यकता

आज के भौतिकवादी समाज में नैतिक पतन एक गंभीर समस्या है। ऐसे समय में शिक्षा में संस्कृति और मूल्य आधारित संदर्भों को सम्मिलित करना आवश्यक हो गया है। रामचरितमानस के मूल्यों का NEP 2020 से सामंजस्य कितना है और विद्यार्थी वर्ग इसकी प्रासंगिकता को कैसे देखता है, यह जानना नितांत आवश्यक है।

3. उद्देश्य

1) राष्ट्रीयशिक्षा नीति 2020 (NEP2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) में मूल्य शिक्षा के समावेशन का अध्ययन करना।
2) राष्ट्रीयशिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) में समाविष्ट मूल्य, रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसी दास द्वारा वर्णित मूल्यों के समतुल्य होने का अध्ययन करना।
3) वर्तमान शिक्षा पद्धति एवं शिक्षकों की घटती हुई महत्ता, राम चरित मानस में वर्णित मूल्यों के वर्तमान में अवमूल्यन का मूल कारण का अध्ययन करना।

4. अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। न्यादर्श के लिए 150 छात्र एवं 150 छात्राओं का चयन किया गया है। प्रदत्तों का संकलन करने हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है और संकलित प्रदत्तों का विश्लेषण प्रतिशत के द्वारा किया गया है।

5. प्रदत्त विश्लेष

तालिका 1

तालिका 1 ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (**NEP**2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (**NCF**) में मूल्य शिक्षा के समावेशन'' के प्रति प्रत्युत्तर

क्र.	सूचनादातओं द्वारा प्रदत्त प्रत्युत्तर	सूचनादातओं का लिंग		योग/प्रतिशत
		छात्र	छात्रायें	
1	नहीं	129	120	249(83.00)
2	हाँ	12	12	24(08.00)
3	उदासीन	09	18	27(0.90)
	कुल योग	150	150	300(100.00)

6. व्याख्या

''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) में मूल्य शिक्षा के समावेशन'' के प्रति महाविद्यालय स्तरीय छात्र / छात्राओं से प्राप्त प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि - 129 छात्र एवं 120 छात्रा (कुल 249 - 83.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विभिन्न प्रकार के मूल्यों (पर्यावरणीय मूल्य, मानवीय मूल्य, आदि) का

समावेश समुचित किया गया है। केवल 12 छात्र एवं 12 छात्रा (कुल 24- 08.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत सकारात्मक पाया गया है। शेष 27 (09.00 प्रतिशत) निदर्शित, इस सन्दर्भ में उदासीन पाये गये। उपरोक्त

तालिका 2

तालिका 2 ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) में समाविष्ट मूल्य, रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसी दास द्वारा वर्णित मूल्यों के समतुल्य हैं'' के प्रति अभिमत

क्र.	सूचनादातओं द्वारा प्रदत्त प्रत्युत्तर	सूचनादातओं का लिंग		योग/प्रतिशत
		छात्र	छात्रायें	
1	हाँ	54	57	111(37.00)
2	नहीं	93	63	156(52.00)
3	उदासीन	03	30	33(11.00)
	कुल योग	150	150	300(100.00)

7. व्याख्या

प्रस्तुत प्रश्न के प्रति महाविद्यालय स्तरीय छात्र/छात्राओं से प्राप्त प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि- 93 छात्र एवं 63 छात्रायें (कुल 156-52.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विभिन्न प्रकार के मूल्यों (शैक्षिक मूल्य, सामाजिक मूल्य, धार्मिक मूल्य आदि) का समावेश समुचित नहीं किया गया है, पाठ्यक्रम में केवल पर्यावरणीय एवं मानवीय मूल्य ही समाविष्ट हैं। संस्कृति एवं धार्मिक मूल्यों का ह्रास होने के कारण ही विभिन्न समस्याओं, जैसे नशाखोरी, धोखा-धड़ी एवं व्यक्तिवादिता आदि में वृद्धि हुई है। 54 छात्र एवं 57 छात्रा (कुल 111- 37.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत सकारात्मक पाया गया है। शेष 33 (11.00 प्रतिशत) निदर्शित, इस सन्दर्भ में उदासीन पाये गये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) में समाविष्ट मूल्य, रामचरित मानस में गोस्वामी तुलसी दास द्वारा वर्णित मूल्यों के समतुल्य नहीं हैं।

तालिका 3

तालिका 3 वर्तमान शिक्षा पद्धति एवं शिक्षकों की घटती हुई महत्ता, राम चरित मानस में वर्णित मूल्यों के वर्तमान में अवमूल्यन का मूल कारण होने के प्रति निदर्शितों के प्रत्युत्तर

क्र.	सूचनादातओं द्वारा प्रदत्त प्रत्युत्तर	सूचनादातओं का लिंग		योग/प्रतिशत
		छात्र	छात्रायें	
1	हाँ	132	135	267(89.00)
2	नहीं	15	09	24(08.00)
3	उदासीन	03	06	09(03.00)
	कुल योग	150	150	300(100.00)

8. व्याख्या

प्रस्तुत प्रश्न के प्रति निदर्शित छात्र/छात्राओं से प्राप्त प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि - 132 छात्र एवं 135 छात्रा (कुल 267-89.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति एवं शिक्षकों की घटती हुई महत्ता, राम चरित मानस में वर्णित मूल्यों के वर्तमान में अवमूल्यन का कारण है। 15 छात्र एवं 09 छात्रा (कुल 24- 08.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं का अभिमत नकारात्मक पाया गया है। शेष 09 (03.00 प्रतिशत) निदर्शित, इस सन्दर्भ में उदासीन पाये गये।

9. सुझाव

- मूल्य शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही रामचरितमानस जैसे ग्रंथों के माध्यम से जोड़ा जाए।

- शिक्षक प्रशिक्षण में भारतीय ग्रंथों की भूमिका पर सत्र हों।
- परियोजना कार्यों एवं जीवन कौशल शिक्षा में रामचरितमानस के आदर्शों को उदाहरणस्वरूप उपयोग किया जाए।
- बालकों-बालिकाओं दोनों के लिए समान रूप से सांस्कृतिक संदर्भों को पाठ्यक्रम में स्थान मिले।

10. उपसंहार

यह शोध स्पष्ट करता है कि रामचरितमानस के मूल्य आधुनिक शिक्षा प्रणाली के लिए उपयोगी हैं। छात्र-छात्राओं का अभिमत यह दर्शाता है कि यदि NEP 2020 में इन मूल्यों को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो शिक्षा केवल बौद्धिक नहीं, नैतिक, सांस्कृतिक और नेतृत्वपूर्ण भी बन सकती है।

संदर्भ सूची

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. भारत सरकार।

गोस्वामी तुलसीदास. (n.d.). रामचरितमानस.

Sharma, R. (2022). Indian Cultural Values and Modern Education. Indian Journal of Education.

Mishra, S. (2021). Value Education and Indian Scriptures.

National Council of Educational Research and Training (NCERT). (2023). National Curriculum Framework (NCF), 2023.

Singh, A. (2019). Integrating Ethics Into Modern Schooling.